

---

# Shrirama Stotram Padyatmaka

---

## श्रीरामस्तोत्रम् पद्यात्मक

---

### Document Information

---

Text title : Shrirama Stotram Padyatmaka

File name : rAmastotrampadyAtmaka.itx

Category : raama, vAsudevAnanda-sarasvatI

Location : doc\_raama

Author : vAsudevAnandasarasvatI TembesvAmi

Description-comments : From stotrAdisangraha

Latest update : May 12, 2021

Send corrections to : sanskrit@cheerful.com

---

This text is prepared by volunteers and is to be used for personal study and research. The file is not to be copied or reposted without permission, for promotion of any website or individuals or for commercial purpose.

**Please help to maintain respect for volunteer spirit.**

---

Please note that proofreading is done using Devanagari version and other language/scripts are generated using **sanscript**.

---

November 22, 2022

*sanskritdocuments.org*

---

श्रीरामस्तोत्रम् पद्यात्मक



राममाश्रय राममाश्रय राममाश्रय भद्रदम् ।  
राममाश्रयतां कुतोऽपि भवेत्कुदैवमभद्रदम् ॥ ध्रु ॥  
यस्य पादसरोजलभ्ररजःकणादपि तत्क्षणम् ।  
गौतमर्षिवधूद्धृतिः किल यत्कटाक्षनिरीक्षणम् ॥  
आरवीन्दु बिभीषणाय सुराज्यमर्पयदाशु तम् ।  
चित्त चिन्तय विश्रुतं न च हन्ति कोऽपि यदाश्रितम् ॥ १ ॥  
माययापि यदाश्रितस्त्वह कोऽपि नो परिभूयते ।  
राममार्तिविराममाश्रय कं यतो ह्यनुभूयते ॥  
यस्य नामवशाच्छिला अपि सिन्धुना हि समुद्धृताः ।  
ते जडा अजडा भवन्ति न किं वदाऽत्र समुद्धृताः ॥ २ ॥  
सर्वदैवतकिंशरोऽखिलशङ्करोऽपि हि शङ्करो ।  
यस्य नाम विमुक्तिधाम जपत्यकामहितादरः ॥  
वासुदेवसरस्वती यमगायताखिलकामदम् ।  
राममाश्रय तं सतां मतमाशु शाश्वतधामदम् ॥ ३ ॥  
इति श्रीवासुदेवानन्दसरस्वतीविरचिता श्रीरामस्तुतिः समाप्ता ।

